रजिस्ट्री सं० डी० 221 REGISTERED No. D. 221

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 177] नई दिल्ली, वृहस्पतिवार, नवम्बर 13, 1969/कार्तिक 22, 1891

No. 177 ] NEW DELHI, THURSDAY, NOVEMBER 13, 1969/KARTIKA 22, 1891

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

### NOTIFICATION

*New Delhi-13th November*, 1969

**G.S.R 2640.**—Whereas it appears to the Central Government that the pamphlet entitled 'The Dharma-Bums' writen in English by Dr. Azizul Hasan Abbasi Vidyarthi. M.B., printed by Mirza Mohammad Sadiq at the Ripon Pritnig Press. Ltd.. Bull Road. Lahore-7, and published by the Society for the Defence of Pakistan, 3/593, Liaqatabad, Karachi-19, contains, its passages referred to in the Schedule below, matter which is deliberately and maliciously intended to outrage the religious feelings of the Hindus, a class of the citizens of India. by insulting their religion and their religous beliefs, the publication of which is punishable under section 295A of the Indian Penal Code (Act No. 45 of 1860);

Now, therefore, in exercise of the powers under section 99A of the Code of Criminal Procedure, 1898 (Act No. 5 of 1898) read with the Notification No.S.O. 1615 dated the 6th May, 1968 enabling the Central Government the exercise of the said powers in relation to the Union Territories, the Central Government hereby declares every copy of the aforesaid pamphlet and all other documents containing copies, reprints and translations of, or extracts from the said pamphet to be fofeited to Government.

SCHEDULE

| Page No. | Beginning with Passage | Ending with |
|---|---|---|
| (vi) to (vii) of Preface | 'It appears from' | 'in such gibberish talk' |
| 5 | 'It was the same Phibhishana' | ' a heartless vagrant. Rama' |
| 7 | 'It was the nobility' | 'as he did'. |
| 11 | 'Such is the episode' | ' like a worn-out shoe'. |
| 12 | 'Does not the conduct' | 'paid to their womankind'. |
| 15 | 'We have' | 'the only stock-in-trade of Hindu Religion'. |
| 17 | 'he would feast' | 'him in the nude' |
| ,, | 'Even a stolid reader' | 'in a bond of concubinage'. |
| 18 | 'Krishna raised' | 'worthy of a divinity alone'. |
| 18-19 | 'When he reached his adolescence' | 'thrills of a dangling desire' |
| 19 | 'It is the same' | 'god and the animal' |
| 20 | 'this man' | " 'guest of honour' " |
| 21 | 'Since, he had' | 'with one shot.' |
| 25 | 'All this humiliation' | 'in a Hindu home.' |
| 26 | 'All this disgrace' | 'both agnate and cognate' |
| ,, | 'Could there be' | 'chosen ones of God.' |
| 26-27 | 'Fancy, Krishna' | 'in the snows.' |
| 27 | 'Their prolific' | 'rains and clouds.' |
| 28 | 'These celestial' | " immortal king'. " |
| 29-30 | 'The rishis and the kings' | 'for three days and as many nights.' |
| 30 | 'But before' | 'same state of Ruru' |
| 31 | 'Menaka, thus protected' | 'in his "holy" hermitage.' |
| 34 | 'Thus, this all-mighty god' | 'to enjoy them.' |
| 37 | 'Deerghatama was' | 'like the cattle.' |
| 37-38 | ' 'Deerghatama, the episcopal lovelace' | 'an apsara, respectively. ' |
| 39 | 'Sandhya-Brahma's daughter' | 'in that form.' |
| 40 | 'All this because' | 'and condemn.' |
| 43 | 'Seeing her deceased' | 'to utdertake the errand.' |
| ,, | 'Later, Satyavati' | 'to:Dhirtharashtra and Duryudhana.' |
| 45—46 | 'Her husband,' | 'for full 10,000 years.' |
| 46 | 'Once this queen' | 'gave birth to a ram.' |
| 47-48 | Brahma granted the request' | 'stopped worshipping him.' |
| 51 | 'They did only' | 'religion and culture.' |
| 54 | 'It is a common' | 'scientific progress.' |
| 55 | "Kartaveerya once' | 'stole away their cow also.' |
| 56-57 | Not only this' | 'So on and so forth, *ad:*ir finitum.' |
| 62 | 'It suffices to say' | 'as obscene and pornograph' |

[No. 2/112/69-Poll.II.]

R. KUPPURAO, Under Secy.

## गृह मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली 13 नवम्बर, 1969

**सा० का० नि० 2640** :—यतः केन्द्रीय सरकार को प्रतीत होता है कि डा० अजीजुल हसन अब्बासी विद्यार्थी, एम० बी० द्वारा रचित, रिपन प्रिंटिंग प्रेस, लि० कुल रोड, लाहौर-7 में मिर्जा मोहम्मद सादिक द्वारा मुद्रित और 'सोसाइटी फार दि डिफेंस आफ पाकिस्तान' 3/593, लियाकताबाद कराची, 19 द्वारा प्रकाशित 'दि धर्म-बम्स' नामक पुस्तिका के लेखाशों में जो निम्नलिखित अनुसूची में निर्दिष्ट है, ऐसी विषय वस्तु अन्तर्विष्ट है जो हिन्दुओं, जो भारत के नागरिकों का एक वर्ग है, के धर्म और उनके धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने के लिए विमर्शतः और विद्वेषतः आशयित है और जिसका प्रकाशन भारतीय दंड संहिता (1860 का अधिनियम संख्या 45) की धारा 295क के अधीन दंडनीय है ;

अतः अब उस अधिसूचना संख्या का० आ० 1615 तारीख 6 मई, 1968 के साथ पठित दंड प्रक्रिया संहिता (1898 का अधिनियम संख्या 5) की धारा 99क के अधीन की शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जो केन्द्रीय सरकार को संघ राज्य क्षेत्रों के सम्बन्ध में उक्त शक्तियों का प्रयोग करने के लिए समर्थ बनाती है, केन्द्रीय सरकार पूर्वोक्त पुस्तिका की हरेक प्रति का और सभी दस्तावेजों का जिनमें उक्त पुस्तिका की प्रतियां, पुनर्मुद्रण (रीप्रिंट) और अनुवाद या उद्धरण अन्तर्विष्ट है, एतद्द्वारा सरकार के लिए समपहरण कर लिए जाने की घोषणा करती है।

अनुसूची

| पृष्ठ सं० | लेखांश | |
|---|---|---|
| | निम्नलिखित से आरम्भ होने वाला | निम्नलिखित पर समाप्त होने वाला |
| 1 | 2 | 3 |
| प्राक्कथन के (vi) से लेकर (vii) तक | 'इट अपीयर्स फ्राम' | 'इन सच गिब्बरिश टांक' |
| 5 | 'इट वाज दि सेम विभीषण' | 'ए हार्टलेस वैग्रेण्ट, राम' |
| 7 | 'इट वाज दि नोबिलिटी' | 'एज ही डिड' |
| 11 | 'सच इज दि एपीसोड' | 'लाइफ ए बोर्न-आउट शू' |
| 12 | 'डज नाट दि कान्डक्ट' | 'पेड टू देयर बुमनकाइंड' |
| 15 | 'वी हैव' | 'दि ओनली स्टाक-इन-ट्रेड आफ हिन्दू रिलीजन' |
| 17 | 'ही वुड फीस्ट' | "हिम इन दि न्यड' |
| 17 | 'इवन ए स्टोलिड रीडर' | 'इन ए बांड आफ कनक्युबाइनेज' |
| 18 | 'कृष्ण रेज्ड' | 'वर्दी आफ ए डिविनिटी एलोन' |

| 1 | 2 | 3 |
|---|---|---|
| 18-19 | 'वैन ही रीच्ड हिज एडोलसेंस' | 'थ्रिल्स आफ ए डगलिंग डिजायर' |
| 19 | 'इट इज दि सेम' | गाड एंड दि एनिमल' |
| 20 | 'दिस मैन' | 'गैस्ट आफ ऑनर' |
| 21 | 'सिन्स, ही हैड' | 'विद वन शॉट' |
| 25 | 'आल दिस ह्यूमिलिएशन' | 'इन ए हिन्द होम' |
| 26 | 'आल दिस डिसग्रेस' | 'बोथ एगनेट एण्ड कांगनेट' |
| 26 | 'कड देयर बी' | 'चोजेन वन्स आफ गॉड |
| 26-27 | 'फैसी, कृष्ण' | 'इन दि स्नोज' |
| 27 | 'देयर प्रॅलिफिक' | 'रेंन्स एंड क्लाउडस' |
| 28 | 'दीज़ सेलेश्चियल' | 'इम्मार्टल किंग' |
| 29-30 | 'दि ऋषीज एंड दि किंग्स' | 'फार थ्री डैज एण्ड ऐज मैनी नाइटस' |
| 30 | 'बट बिफोर' | 'सेम स्टेट आफ रूल' |
| 31 | 'मेनका, दस प्रोटेक्टेड' | 'इन हिज 'होली' हरमिटेज' |
| 34 | 'दस, दिस आल-माइटी गॉड' | 'टु एंजोय देम' |
| 37 | 'दीर्घात्मा बाज' | 'लाइक दि केटल' |
| 37-38 | दीर्घात्मा-दि एपिस्कोपल लवलेस' | 'ऐन अप्सरा, रेसपेक्टिवली' |
| 39 | 'संध्या-ब्रह्माज डाटर' | 'इन दैट फार्म' |
| 40 | 'आल दिस बिकाज' | 'एंड कन्डम' |
| 43 | 'सीइंग हर डिजीज्ड' | 'टु अण्डरटेक दि ऐरण्ड' |
| 43 | 'लेटर, सत्यावती' | टु धृतराष्ट्र एण्ड दुर्योधन' |
| 45-46 | 'हर हसबेण्ड' | 'फार फुल 10,000 ईअर्स' |
| 46 | 'वन्स दिस क्वीन ' | 'गेव बर्थ टु ए रैम' |
| 47-48 | 'ब्रह्मा ग्रांटेड दि रिक्वेस्ट' | 'स्टाप्ड वर्शिपिंग हिम' |
| 51 | 'दे डिड ओनली ' | 'रिलीजन एड कल्चर' |
| 54 | 'इट इज ए कामन' | 'साइंटिफिक प्रोग्रेस' |
| 55 | 'कार्तवीर्य वन्स' | 'स्टोल अवे देयर काऊ आल्सो' |
| 56-57 | 'नाट ओनली दिस' | 'सो आन एंड सो फोर्थ, ऐड इनफिनिटम' |
| 62 | 'इट सफाइसैज ट से' | 'ऐज आंबसीन एंड पोनोग्राफ' |

[सं० 2/112/69-पोल-21]

आर० कुप्पुराव, अवर सचिव ।

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD, NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1969